Av – बिद्वान के मुलाकात मत्ती २:१-१२ | 1

– Save This Page as a PDF–

बिद्वान के मुलाकात

मत्ती २:१-१२

खोदाई: यह क्यों महत्वपूर्ण था कि यीशु का जन्म बेथलहम में हुआ हो? बिद्वान ने यहूदियों के राजा के बारे में किससे सीखा? यह तारा क्या था? उन्होंने इसके बारे में कहाँ सीखा? उन्होंने इसका पालन क्यों किया? राजा हेरोदेस कौन था? उनको क्या पसंद था? मत्ती २:६ की भविष्यवाणी के आलोक में, वह इतना चिन्तित क्यों था कि बालक मिल जाएगा? तारा, बिद्वान, उपहार, आराधना और भविष्यवाणी हमें मसीहा के स्वभाव और महत्व के बारे में क्या बताते हैं?

प्रतिबिंब: ईश्वर की ओर अपनी यात्रा में, आप इन बिद्वान की तरह कैसे हैं? उनके विपरीत? क्या आपको यीशु के पीछे चलने के लिए कुछ छोड़ना पड़ा है? आपके जीवन में सोना, लोबान और गंधरस क्या हैं? आपने येशु को कैसे प्रतिकार दिया है?

मत्ती के सुसमाचार का उद्देश्य यीशु को यहूदियों के राजा के रूप में प्रस्तुत करना है। तानाख से उद्धरणों की एक सावधानीपूर्वक चयनित श्रृंखला के माध्यम से, मत्तित्याहू लंबे समय से प्रतीक्षित मसीहा होने के येशुआ के दावे का दस्तावेजीकरण करते हैं। नतीजतन, पहली बात जो उन्हें स्थापित करने की आवश्यकता है वह यह है कि नासरत के येशु का जन्म वहीं हुआ था जहाँ मेशियाक का जन्म होना चाहिए – बेथलहम शहर में। वह बताते हैं कि कैसे यह वास्तव में मसीह का जन्मस्थान था, भले ही बाद की घटनाओं ने गलील में नासरत में उनके स्थानांतरण को निर्देशित किया।

यीशु का जन्म ७ और ६ ईसा पूर्व के बीच हुआ था। ईसा पूर्व या ईसा से पहले उनके जन्म का कारण यह है कि डायोनिसियस एक्जिगुअस, छठी शताब्दी के साधु, जिन्होंने आधुनिक कैलेंडर स्थापित किया था, ने तिथि निर्धारित करने में गलती की थी जिसे बाद में ठीक नहीं किया गया था। एएस, या एनो डोमिनी शब्दों के बजाय, जिसका अर्थ है प्रभु यीशु और ईसा पूर्व के वर्ष में, यहूदी समुदाय आम तौर पर सीई, या कॉमन एरा और बीसीई, कॉमन एरा से पहले, का उपयोग करके इन समय अवधियों का प्रतिनिधित्व करता है। एक डेटिंग प्रणाली का उपयोग करना जो येशुआ को मेशियाच के रूप में इंगित करता है।

यीशु के यहूदिया में बेथलहम में पैदा होने के बाद, यूसुफ और मरियम ने स्पष्ट रूप से अपने पूर्वजों के शहर में रहने और रहने का फैसला किया। दो साल बाद, राजा हेरोदेस के शासनकाल के दौरान, बिद्वान पूर्व से यरूशलेम आए। उन्होंने बार-बार

Av – बिद्वान के मुलाकात मत्ती २:१-१२ | 2

पूछा: यहूदियों का राजा जो पैदा हुआ है वह कहाँ है (मत्ती 2:1-2अ)? पूछा गया शब्द एक वर्तमान कृदंत है, जो निरंतर क्रिया पर जोर देता है। वे पूछते रहे और पूछते रहे। उन्होंने गणना की थी कि मसीह के आने से पहले कितने वर्ष बीतेंगे (दानिय्येल ९:२४-२७)। यद्यपि वे दानिय्येल की पुस्तक और गिनती की पुस्तक से परिचित थे, तथापि, वे मीका की पुस्तक से परिचित नहीं थे, जहाँ मीका ५:२ में भविष्यवाणी की गई थी कि मेशियाक का जन्म बेत-लेकेम के नगर में होगा। परिणामस्वरूप, वे येरूशलेम आए क्योंकि वे उसे खोजने के लिए बेताब थे।

बड़ा दिन के समय के आसपास, नैटिविटी के दृश्य लगाए जाते हैं और वे सभी एक जैसे दिखते हैं। एक खलिहान का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक छोटी सी झोपड़ी है, और उसके भीतर तीन लोग हैं: मरियम, यूसुफ और चरनी में बच्चा यीशु, या मवेशियों के लिए चारागाह। उनके सामने एक तरफ तीन चरवाहे और दूसरी तरफ तीन बिद्वान हैं। पूरा दृश्य वास्तव में बाइबिल से परे है क्योंकि चरवाहों और बिद्वान ने एक-दूसरे को कभी नहीं देखा क्योंकि वे लगभग दो साल से अलग थे।

सामान्य जन्म दृश्य में भी कई भ्रांतियां हैं। सबसे पहले, बहुत लोकप्रिय क्रिसमस गीत है जो “वी थ्री किंग्स ऑफ ओरिएंट हैं” से शुरू होता है। यह जानने का कोई तरीका नहीं है कि कितने थे। बाइबल केवल बहुवचन में उनका उल्लेख करती है। दो, बीस या सौ भी हो सकते थे। हम वास्तव में नहीं जानते। दूसरी भ्रांति यह है कि वे राजा थे। वे राजा नहीं थे, बल्कि पूर्व के बिद्वान या ज्योतिषी थे। वे अन्यजाति ज्योतिषी एक यहूदी राजा की पूजा क्यों करना चाहेंगे? ये बेबीलोन के बिद्वान थे। अतीत में, दानिय्येल ने राजा नबूकदनेस्सर के सपने की व्याख्या करके बाबुल के सभी जादूगरों के जीवन को बचाया था (यिर्मयाह Dq पर मेरी टिप्पणी देखें – नबूकदनेस्सर का परेशान करने वाला सपना)। दानिय्येल की क्षमता का स्रोत आकाश के तारे नहीं बल्कि स्वर्ग का परमेश्वर था। परिणामस्वरूप, पीढ़ियों से चली आ रही बेबीलोन के ज्योतिषियों की एक पंक्ति ने एक सच्चे ईश्वर की पूजा की, और दानिय्येल की भविष्यवाणी को मानते हुए, यहूदियों के राजा के आने की प्रतीक्षा की। हम दानिय्येल की पुस्तक से यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि बेबीलोन के बिद्वान को मसीहा के जन्म के समय के बारे में पता था। लेकिन दानिय्येल ने एक तारे के बारे में कुछ नहीं कहा जो यहूदियों के राजा के जन्म की घोषणा करेगा। तो बिद्वान को इसके बारे में कैसे पता चला?

एक अन्य बेबीलोन ज्योतिषी बिलाम ने भविष्यवाणी की कि: याकूब में से एक तारा निकलेगा; इस्राएल में से एक राजदण्ड उठेगा (गिनती २४:१७)। पारंपरिक यहूदी स्रोतों ने लंबे समय से इस कविता को मसीहा के आने के संदर्भ में माना है (ट्रैक्टेट तनित IV.८; टार्गम ओंकेलोस)। लेकिन यह एक शाब्दिक तारा नहीं है क्योंकि इस पद में तारा और राजदंड एक ही हैं। हम यह जानते हैं क्योंकि बिलाम की भविष्यवाणी इब्रानी कविता के रूप में है, जो ताल या तुकबंदी पर आधारित नहीं है बल्कि समानता पर आधारित है। राजदंड शब्द रॉयल्टी या राजशाही का प्रतीक है। यह

Av – बिद्वान के मुलाकात मत्ती २:१-१२ | 3

तारा जो याकूब से निकलेगा, स्वयं एक राजा होगा।

इसके अलावा, बिलाम का पेशा एक ज्योतिषी का था। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि वह पतोर से आया था, जो एक प्रतिबंधित नगर था बेबीलोनिया में फरात नदी के (गिनती २२:५; व्यवस्थाविवरण २३:४)। दानिय्येल की पुस्तक और बिलाम की भविष्यवाणी के साथ, हमारा बेबीलोन का दोहरा संबंध है। इसलिए, मेशियाक के जन्म के संबंध में एक तारे का प्रकटीकरण बाबुल के एक ज्योतिषी के ज़रिए हुआ, जिसने निःसंदेह, अपने साथियों को यह जानकारी दी। सदियों बाद, दानिय्येल बेबीलोन के ज्योतिषियों को याकूब के तारे के प्रकट होने के समय के बारे में अधिक विवरण देने में समर्थ हुआ।

इन बिद्वान ने कहा कि उन्होंने उसका तारा
देखा जब वह उदय हुआ और उसकी पूजा करने आए (मत्ती २:२b)। ग्रीक शब्द अनुवादित तारा तारा है, और इसका अर्थ प्रकाश, चमक या दीप्ति है। उन्होंने जो देखा वह शचीना की महिमा, या स्वयं परमेश्वर का दृश्य प्रकटीकरण था। इसके पाँच कारण हैं कि यह एक शाब्दिक तारा क्यों नहीं हो सकता। पहला, यह विशिष्ट रूप से मसीहा का तारा था क्योंकि इसे उसका तारा कहा जाता है। ऐसे में यह किसी और स्टार का सच नहीं है। दूसरा, यह तारा प्रकट होता है और गायब हो जाता है। तीसरा, यह तारा पूर्व से पश्चिम की ओर, बाबुल से त्ज़ियॉन की ओर बढ़ता है। चौथा, यह उत्तर से दक्षिण की ओर, शहर से बेथलहम की ओर बढ़ता है। पाँचवाँ, यह उसी घर के ऊपर मंडराता है जहाँ बच्चा रह रहा था। एक शाब्दिक तारा एक स्थान पर मंडरा नहीं सकता। तो जिस तरह यहूदी चरवाहों को यहूदियों के राजा के जन्म की घोषणा करने के लिए शचीना महिमा का उपयोग किया गया था, उसी तरह अन्यजातियों के ज्योतिषियों के लिए यहूदियों के राजा के जन्म की घोषणा करने के लिए भी इसका इस्तेमाल किया गया था (उत्पत्ति Lw पर मेरी टिप्पणी देखें – तारा का गवाह).

ज्योतिष की निंदा किए बिना, मत्ती का सुसमाचार अपने यहूदी श्रोताओं को उनके विश्वास के प्रति बाहरी लोगों के प्रति उनके पूर्वाग्रह के बारे में चुनौती देता है (मत्ती ८:५-१३ और १५:२१-२८ भी देखें)। उनका प्रेरित संदेश यह बताता है कि यदि अवसर दिया जाए तो अन्यजाति भी येशु को जवाब दे सकते हैं (योना १:१३-१६, ३:६ से ४:१ और १०-११)। वे, यहूदियों के विपरीत, राजा और परमेश्वर के प्रति ग्रहणशील साबित होते हैं। उसके लिए प्रयोजन।

यहूदी चरवाहों द्वारा यरूशलेम की एक गुफा में मसीहा की आराधना करने के कई वर्षों बाद, परमेश्वर की उपस्थिति, उसकी सकीना महिमा, पूर्वी आकाश में प्रकट हुई (मत्ती

Av – बिद्वान के मुलाकात मत्ती २:१-१२ | 4

२:९)। इसे बहुतों ने देखा, लेकिन कुछ ने ही इसका अनुसरण किया। बिद्वान शायद इसे देखने के लिए उत्साहित थे क्योंकि उन्हें बिलाम की भविष्यवाणी याद थी और वे इसका सही अर्थ जानते थे। उन्होंने तुरंत अपने कीमती उपहारों को लाद दिया और अपने ऊँटों को तेज की ओर मोड़ दिया। उन्होंने अपने पीछे उगते सूरज के साथ रेगिस्तान की रेत में लगभग एक हजार मील की यात्रा की। उन्होंने दिन के समय अपने तंबू लगाए और आकाश और पृथ्वी की सीमा के साथ चमक के बाद शाम का आकाश गहरा नीला हो जाने पर फिर से चढ़ गए। यह ऊँट की एक लंबी कठिन यात्रा थी, शायद एक वर्ष से अधिक। वे अंततः मोआब के दर्रे से होकर यरीहो में आए, जहाँ मृत सागर और यरदन नदी मिलती है, और वे नदी पार करके दाऊद नगरी में गए।



जब वे यरूशलेम में आए तो बिद्वान शायद मंदिर
में किसी से बात करना चाहते थे। हुल्दाह गेट से प्रवेश करने के बाद, उन्होंने ५०० हाथ वर्ग के विशाल टेम्पल माउंट में प्रवेश किया.। कुछ दर्जन मीटर के बाद वे विभाजन की दीवार पर आए, जिसने यहूदियों और अन्यजातियों के बीच पूर्ण अलगाव को सुनिश्चित किया (इफिसियों २:१४)। इसमें ७५ सेंटीमीटर की एक निचली दीवार शामिल थी, जिस पर ५२.५ सेंटीमीटर की एक लकड़ी की पारदर्शी बाड़ सुरक्षित थी। इसे नीचे बनाया गया था और इसके माध्यम से एक दृश्य की अनुमति दी गई थी ताकि किसी को भी, यहां तक कि एक बच्चे को भी, स्वर्ण अभयारण्य के शानदार दृश्य को देखने से रोका न जा सके।

सो वे वहाँ खड़े होकर बाड़े में से दूसरी ओर लेवी के याजक को देख रहे थे। एक पास से गुजर रहा था और उन्होंने पूछा, “यहूदियों का बाल राजा कहाँ है? हम उसकी पूजा करने आए हैं?” इसका कारण यह है कि यद्यपि बिद्वान खुश और अपेक्षावान होंगे, पुजारी उनके आनंद को साझा नहीं करेंगे। लेवी ने शायद सोचा: “यदि मसीहा लौट आता, तो वह अपने आप को अन्यजातियों पर नहीं, परन्तु यहूदियों पर प्रगट करता . . . खुद महायाजक के पास!” महायाजक को संभवतः बिद्वान के साथ बुलाया गया था जब उन्होंने देखा था और खुश संकेत की उनकी व्याख्या की व्याख्या की थी। लेकिन उन्हें ऐसा कोई संकेत नहीं पता था। यह कैसे सच हो सकता है? निश्चित रूप से अगर कोई जानता होगा तो यह वह होगा! लेकिन, सम्मान के निशान के रूप में, उन्होंने संभवतः मसीहा और बेथलहम के बारे में यहूदियों के विश्वासों को विस्तृत किया था।

Av – बिद्वान के मुलाकात मत्ती २:१-१२ | 5

बिद्वान ने सोचा हो सकता है कि यह सबसे आशाजनक सुराग था क्योंकि उन्होंने जो चमक देखी थी वह ऊपर की ओर थी। बीट-लेकेम, पवित्र शहर के दक्षिण में पाँच मील की दूरी पर जाने के लिए एक अच्छी जगह होगी। उन्होंने शायद महायाजक को धन्यवाद दिया और रात के लिए शहरपनाह के बाहर डेरा डाला क्योंकि वे अपनी यात्रा से बहुत थके हुए थे। वे अगली दोपहर बेथलहम के लिए रवाना होंगे। लेकिन सबसे अधिक संभावना है कि महायाजक ने सुबह तक इंतजार नहीं किया, उसने राजा हेरोदेस के स्थान पर सूचना दी और समाचार को प्रसारित किया।

जब राजा हेरोदेस ने यह सुना तो वह और उसके साथ सारा यरूशलेम व्याकुल हो गया (मत्तीयाहू २:३)। यह बाइबिल में महान ख़ामोशियों में से एक है। उसे हेरोदेस महान के बजाय हेरोदेस द पैरानॉयड कहा जाना चाहिए था। वह क्रूर और दयालु था मैं कम। वह अविश्वसनीय रूप से ईर्ष्यालु, शंकालु और किसी भी शाही प्रतिद्वंद्वी से डरने वाला था। एक संभावित खतरे के डर से, उसके पास उसका महायाजक था, जो उसकी पत्नी मरियम्ने का भाई था, जो एक उथले पूल (जोसेफस युद्ध १.४३७) में बदल गया था। फिर उसने एक शानदार अंतिम संस्कार किया और रोने का नाटक किया। बाद में, उसने खुद मरियम्ने को मार डाला था, फिर उसकी माँ और उसके अपने दो बेटों, अलेक्जेंडर और अरिस्टोबुलस को गलत तरीके से उसके खिलाफ साजिश रचने के लिए गला घोंट कर मार डाला गया था (जोसेफस एंट। १६.३९४; युद्ध १.६६५-६५)। उनकी मृत्यु के पांच दिन पहले (यीशु के जन्म के लगभग एक वर्ष बाद), उनके तीसरे बेटे की हत्या कर दी गई थी। यहूदी धर्म के लिए हेरोदेस एक गुप्त व्यक्ति था इसलिए उसने सूअर का मांस नहीं खाया। छोटे आश्चर्य की बात है कि महान रोमन सम्राट सीज़र ऑगस्टस ने हेरोदेस के बारे में खुले तौर पर कहा था, “हेरोदेस के पुत्र (हुओस) की तुलना में हेरोदेस की बोना (हुओस) होना अधिक सुरक्षित था।”

उसकी रक्तपिपासा और पागल क्रूरता के सबसे बड़े सबूतों में से एक त्ज़ियों के सबसे प्रतिष्ठित नागरिकों को उसकी मृत्यु से कुछ समय पहले गिरफ्तार और कैद किया जाना था। क्योंकि वह जानता था कि कोई भी उसकी अपनी मृत्यु का शोक नहीं मनाएगा, उसने आदेश दिया कि उन विशिष्ट नागरिकों को उसकी मृत्यु के क्षण में मार दिया जाना चाहिए, यह गारंटी देने के लिए कि येरुशलेयम में शोक होगा (जोसेफस ANT। १७.१७४-७९; युद्ध १.६५९-६०)। सौभाग्य से उनके आदेशों का पालन नहीं किया गया। परिणामस्वरूप, जब वह व्याकुल हुआ, तो सारा यरूशलेम उसके साथ व्याकुल हो गया। शहर के नागरिकों को इस बेरहम और धूर्त अत्याचारी से प्रतिशोध की आशंका थी।

कहानी में हेरोदेस की प्रमुख भूमिका हमें अगली फ़ाइल में उसके राजनीतिक प्रलय के लिए तैयार करती है (देखें Aw – हेरोदेस ने बेथलहम में दो साल और उससे कम उम्र के सभी लड़कों को मारने का आदेश दिया)। यहूदी पाठक मोशे के समय में हेरोदेस और फिरौन के बीच संबंध को देखने में शायद ही असफल रहे। फिरौन के शिशुहत्या ने इस्राएल के भविष्य के उद्धारकर्ता को नष्ट करने की धमकी दी थी (निर्गमन Ah पर मेरी टिप्पणी देखें – मिस्र में हिब्रू मिडवाइव्स), जबकि हेरोदेस के प्रलय ने

Av – बिद्वान के मुलाकात मत्ती २:१-१२ | 6

इजरायल के भविष्य के उद्धारकर्ता को नष्ट करने की धमकी दी थी। वध और उसके बाद के निर्वासन से मोशे का बचना और वापस लौटना जब वे सभी पुरुष जो आपको मारना चाहते थे मर गए (निर्गमन ४:१९), हमें येशु के निर्वासन की याद दिलाता है और उन लोगों के लिए वापसी करता है जो बच्चे की जान लेने की कोशिश कर रहे थे (मत्ती २:२०)। छुड़ाने वाले मूसा और यीशु मसीह के बीच यह प्रतीकवाद मत्तित्याहू के सुसमाचार में चलता है और इसकी ठोस नींव शुरू से ही यहाँ मजबूती से रखी गई है।

हेरोदेस हमेशा अपने खिलाफ साजिशों से डरता था और उसे किसी और साजिश का शक था। किसी अन्य राजा को उसकी जगह लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी चाहे वह कोई भी हो। हम तीन बुनियादी प्रतिक्रियाओं को देखते हैं जो मानवजाति यीशु के साथ सामना करने पर प्रदर्शित करती है जब वह पृथ्वी पर था। पूरे मानव इतिहास में ये वही तीन प्रतिक्रियाएँ हैं।

पहली प्रतिक्रिया क्रोध और शत्रुता है जैसा कि हेरोदेस ने देखा। तब पागल राजा ने डर के मारे सब लोगों के प्रधान याजकों और व्यवस्था के शिक्षकों को एक साथ बुलाया। एक धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति के रूप में, वह यहूदी भविष्यवाणियों के बारे में बहुत कम जानता था। प्रधान याजक कोई विशेष श्रेणी नहीं थे, बल्कि विभिन्न प्रमुख प्रभावशाली याजक थे, जिनमें याजक के दैनिक और साप्ताहिक पाठ्यक्रम के नेता, मंदिर कोषाध्यक्ष और अन्य मंदिर ओवरसियर और अधिकारी शामिल थे। महायाजक और रक्षकों के कप्तान के साथ, उन्होंने पुरोहित अभिजात वर्ग का गठन किया, जिसे अक्सर शिथिल रूप से प्रधान याजक कहा जाता था। अधिकांश भाग के लिए, ये प्रधान याजक सदूकी थे, जबकि नियमित पुजारी फरीसी थे। टोरा-शिक्षक शास्त्री थे, मुख्य रूप से फरीसी, जो टोरा, ओरल लॉ (देखे Ei – मोखिक नियम) के अधिकारी थे, और यहूदी धर्म के सबसे महत्वपूर्ण विद्वान थे। लेकिन हेरोदेस और प्रधान याजक के बीच संबंध थे सौहार्दपूर्ण नहीं था और उन्हें वास्तव में उनकी मदद माँगने के लिए अपना घमंड (जो ढेर सारा चम्मच भरा हुआ था) निगलना पड़ा। उसने उनका तिरस्कार किया – और उन्होंने उससे घृणा की। लेकिन वह हताश था।

दूसरी प्रतिक्रिया उदासीनता है जैसा कि टोरा के मुख्य पुजारियों और शिक्षकों में देखा गया है। उसने उनसे पूछा कि मसीहा का जन्म कहाँ होना है। पूछताछ के अपूर्ण काल से पता चलता है कि वह पूछता रहा और पूछता रहा और पूछता रहा। मत्ती की रुचि विशेष रूप से मसीह के जन्मस्थान में है, जो कि वह भी था जिसे ज्योतिषी जानना चाहते थे। जब हेरोदेस ने पूछा, तो उन्हें उत्तर खोजने की आवश्यकता नहीं पड़ी। वे पहले से ही जानते थे कि यह मीका ५:२ में था क्योंकि यह एक मसीहाई भविष्यवाणी थी। लेकिन सदूकियों ने अपने मसीहा के जन्म की संभावना में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। वे हेरोदेस से और अपने प्राणों से अधिक डरते थे, न कि किसी बाल राजा की अफवाह से उसे बचाने का साहस। जो भी हो, प्रधान याजकों और शास्त्रियों ने हेरोदेस को वह सब बताया जो वह जानना चाहता था। मसीह का जन्म यहूदिया के बेतलेहेम में होना चाहिए, क्योंकि भविष्यद्वक्ता मीका ने यही लिखा है (मत्तीयाहू २:४-५)। उन्हें मसीहा के

Av – बिद्वान के मुलाकात मत्ती २:१-१२ | 7

बारे में बुनियादी ज्ञान था। . . लेकिन कोई रिश्ता नहीं।

नई वाचा में तानाख को उद्धृत करने के चार तरीके हैं और एक इस खंड में पाया जाता है
– एक शाब्दिक भविष्यवाणी और एक शाब्दिक पूर्ति। शाब्दिक भविष्यवाणी मीका ५:२ में पाई जाती है जहाँ यह लिखा है: परन्तु हे बेतलेहेम एप्राता, तू, यद्यपि तू यहूदा के कुलों में छोटा है, तौभी तुझ में से मुझ ही में से निकलेगा, जो इस्राएल का प्रधान होगा, जिसकी उत्पत्ति हुई है। पुराने समय से हैं, प्राचीन काल से हैं। बस्ताबिक पूर्ति तब हुई जब मसीह का जन्म बेथलहम में हुआ। मत्ती ने लिखा: परन्तु तुम, बेत-लेकेम, यहूदा देश में, यहूदा के शासकों में किसी भी तरह से कम नहीं हो; क्योंकि तुझ में से एक हाकिम निकलेगा, जो मेरी प्रजा इस्राएल की चरवाही करेगा” (मत्ती २:६)। मीका ५:२ की सत्यनिष्ठा को बनाए रखते हुए मत्तित्याहू का उद्धरण वास्तव में दूसरे शमूएल: ५:२ का अधिक प्रत्यक्ष प्रतिबिंब है। तनाख के ये दोनों मार्ग निकट से संबंधित हैं। दूसरा शमूएल मार्ग दाऊद को परमेश्वर की मूल बुलाहट देता है; जबकि मीका मार्ग, डेविड के भावी वंशज येशु के आने वाले मसीहा के शासन का वर्णन करता है। पवित्र आत्मा ने मत्ती को प्रेरित किया कि वह यीशु को यहूदियों के राजा के रूप में चित्रित करने के अपने उद्देश्य और श्रोताओं के लिए इन दो अंशों को मिलाए।

लेकिन केवल यही परिवर्तन नहीं है जो पवित्र आत्मा ने किया है। उसने यहूदा देश में बेतलेहेम एप्राथा के पुरातन शीर्षक को भी अधिक विशिष्ट बेथलहम में बदल दिया। इसने यीशु के यहूदी मूल पर जोर दिया, और मात्ती के लिए नासरत के बजाय बेथलहम में मसीह के जन्म को जोड़ने के लिए महत्वपूर्ण था। इसके अलावा, मीका ने बेत-लेकेम को यहूदा के कुलों में छोटा बताया, लेकिन मात्ती का दावा है कि यह यहूदा के शासकों के बीच किसी भी तरह से कम नहीं है। इसलिए, मीका के शब्द मत्तित्याहू के सुसमाचार से अलग नहीं हैं।

अगली सुबह, हेरोदेस ने गुप्त रूप से बिद्वान को शहर की दीवारों के बाहर डेरा डाले हुए पाया। उन्होंने उनसे पता लगाया कि चमक ठीक उसी समय प्रकट हुई थी क्योंकि उन्होंने शायद यह मान लिया था कि बच्चा ठीक उसी समय पैदा हुआ था जब तारा दिखाई दिया था। उसने उन्हें यह कहकर बेतलेहेम भेजा: जाओ और बच्चे को अच्छी तरह से खोजो। बच्चे के लिए हेरोदेस जिस शब्द का प्रयोग करता है, वह एक यूनानी शब्द पेडियन है, जो एक ऐसे बच्चे को संदर्भित करता है जो कम से कम एक वर्ष का हो। जैसे ही तुम उसे पाओगे, हेरोदेस ने लज्जा से कहा: मुझे खबर दो, कि मैं भी जाकर उसकी उपासना करूं (मत्तीयाहू २:७-८)।

लेकिन यह विडंबना ही थी, क्योंकि हेरोदेस तड़प रहा था और बेथलहम की ओर देख रहा था, कि येशु हमेशा उसकी नाक के नीचे था। दो बार पहले, यूसुफ और मरियम अपने जवान बेटे को यरूशलेम ले आए थे। पहली मुलाक़ात यीशु के जन्म के आठ दिन बाद ही हुई थी ताकि उसका खतना किया जा सके (देखें At– आठवें दिन, जब उसका खतना करने का समय आया, तो

Av – बिद्वान के मुलाकात मत्ती २:१-१२ | 8

उसका नाम यीशु रखा गया)। उस समय भविष्यद्वाणी के अनुसार बालक का औपचारिक रूप से नाम येशुआ रखा गया। दूसरी भेंट तब हुई जब वे इकतालीस दिन के थे। शिशु यीशु को मंदिर में लाया गया और औपचारिक रूप से भगवान को समर्पित किया गया (देखें Au – यीशु मंदिर में पेश कियागया)। शायद अगर पागल हेरोदेस को पता होता कि मसीहाई का खतरा इतना करीब था – शाब्दिक रूप से, उसके सिंहासन कक्ष से छह सौ गज से कम – तो उसकी पीड़ा से राहत मिल सकती थी। लेकिन यीशु और उसके माता-पिता उस दिन मंदिर के रास्ते में शोर भरे बाजारों और संकरी, टेढ़ी-मेढ़ी सड़कों से अपना रास्ता बनाते हुए सिर्फ तीन और शव थे।

राजा की बात सुनकर बिद्वान ने दोपहर तक विश्राम किया, फिर वे अपने मार्ग को चले। उन्होंने मान लिया कि हेरोदेस ईमानदार था और एक बार जब वे उसे मिल गए तो वे यहूदियों के राजा की पूजा करना चाहते थे। बिद्वान ने तब तक प्रतीक्षा की जब तक शचीना महिमा यरूशलेम के पूर्व में नहीं आ गई, और फिर, उन्होंने अपने ऊँटों पर चढ़कर अंतिम कुछ मील तक उसका पीछा किया। उन्होंने यरूशलेम के उत्तर की ओर दृष्टि डाली, जहां अन्यजातियों का बाजार था, और दमिश्क के फाटक से होते हुए किद्रोन की नाले के पास से होते हुए गतसमनी नामक एक छोटी सी जगह तक पहुंचे, और फिर दक्षिण की ओर हिन्नोम की तराई की ओर और कुम्हार के खेत के पास घुमावदार सड़क पर और सीधे दक्षिण में बेथलहम तक।

चमक उनके सामने चलती प्रतीत हुई, जैसा कि लोग यात्रा करते समय सितारे करते हैं, लेकिन जब वे बेत-लेकेम के पास पहुंचे तो शचीना की महिमा फिर से प्रकट हुई और उनके आगे तब तक चली जब तक वह रुक नहीं गया, या सचमुच उस जगह पर अपना स्टैंड ले लिया जहां बच्चा था (मात्ति २:९). जब उन्होंने शकीना की महिमा देखी, तो वे बहुत आनन्दित हुए (मत्तीयाहू २:१०)। ऐसा लगता है जैसे मैथ्यू के पास उनकी उत्तेजना का वर्णन करने के लिए शब्द नहीं थे।

घर में आकर उन्होंने बालक को उसकी माता मरियम के साथ देखा (मत्ती २:११a)। इस समय तक यूसुफ और मरियम एक घर में रह रहे थे, न कि अस्तबल या गुफा में। चरवाहों ने बालक यीशु को एक गुफा में पाया; हालाँकि बिद्वान ने येशु को एक निजी घर में पाया। यीशु को यहाँ एक नवजात शिशु, या ब्रेफोस के बजाय एक बच्चा, या भुगतान कहा गया है (लूका २:१२)। एक बार फिर, वह इस समय लगभग दो साल का है। स्पष्ट रूप से बेतलेहेम में यीशु को जन्म देने के बाद, यूसुफ और मरियम ने नासरत वापस जाने के बजाय वहीं रहने का फैसला किया जहां से उनका परिवार उत्पन्न हुआ था। हालाँकि, योसेफ के बारे में चुप्पी, मैरी को कथा में केंद्रीय व्यक्ति के रूप में इंगित करती है।

तीसरी प्रतिक्रिया है उनकी पूजा करना जैसा कि बिद्वान ने देखा है। और उन्होंने झुककर दण्डवत की उसे मसीहा के रूप में सम्पादित किया (मत्तीयाहू २:११b)। यहूदी चरवाहे सबसे पहले उद्धारकर्ता के रूप में उसकी पूजा करने वाले थे, लेकिन यह यहूदी राजा की पहली गैरयहूदी पूजा थी। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि जब

Av – बिद्वान के मुलाकात मत्ती २:१-१२ | 9

उन्होंने बालक मेशियाक को देखा तो उन्होंने झुककर उसकी आराधना की। यदि कभी कोई समय था जब मरियम की पूजा की जा सकती थी, तो वह यही था। लेकिन उन्होंने उसकी पूजा नहीं की। . . उन्होंने उसकी पूजा की।



फिर उन्होंने अपना खजाना खोला और उसे उपहार
भेंट किए। पूर्व में उपहार देना बहुत महत्वपूर्ण है। बिना उपहार के शायद ही कोई महत्वपूर्ण लेन-देन हो सकता है। नतीजतन, उन्होंने उचित रूप से शाही बच्चे को उपहारों के साथ प्रस्तुत किया, जिनमें से सभी का तानाख से जबरदस्त महत्व है।

सोना उसके राज्य का प्रतीक था (देखें – उत्पत्ति ४१:४; प्रथम राजा १०:१-१३), और इस तथ्य की ओर संकेत करता है कि यीशु एक राजा है। मंदिर के निर्माण में सोने का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया गया था (प्रथम राजा ६-९; दूसरा इतिहास २-४)। मत्ती निरन्तर मसीह को राजा के रूप में प्रस्तुत करता है, और यहाँ हम यहूदियों के राजा, राजाओं के राजा को उपयुक्त रूप से सोने के शाही उपहारों के साथ प्रस्तुत करते हुए देखते हैं।

लोबान उनके देवता का प्रतीक था। यह दक्षिणी अरब और सोमालिया से आया था, एक महँगा इत्र था, जो न केवल पूजा में बल्कि महत्वपूर्ण सामाजिक अवसरों पर भी जलाया जाता था (परम गीत ३:६)। तानाख में, इसे मंदिर के सामने एक विशेष कक्ष में संग्रहीत किया गया था और लोगों की इच्छा के प्रतीक के रूप में परमेश्वर को खुश करने के प्रतीक के रूप में कुछ प्रसाद पर छिड़का गया था। (निर्गमन Fp मेरी टिप्पणी देखें – अभयारण्य में अगरबत्ती की वेदी: मसीह, पिता के साथ हमारा वकील)।

और गन्धरस उसकी मानवता का प्रतीक है (मत्ती २:११c)। अन्य मसालों के साथ मिलाकर, इसे दफनाने के लिए शवों की तैयारी में इस्तेमाल किया गया था (यूहन्ना १९:३९)। इसके और भी कई उपयोग थे। शराब के साथ मिश्रित इसे एक संवेदनाहारी (मरकुस १५:२३) के रूप में इस्तेमाल किया गया था और इसे एक शानदार कॉस्मेटिक सुगंध के रूप में भी इस्तेमाल किया गया था (एस्तेर २:१२; भजन ४५:८; नीतिवचन 7:17 और गीत १:१३, ५: १ और ५)। यह हमें सेवकाई की याद दिलाता है कि मनुष्य-परमेश्वर, परमेश्वर-मनुष्य, करने के लिए आया: पाप के लिए अंतिम बलिदान के रूप में मरना (इब्रानियों १०:१०-१८)।

Av – बिद्वान के मुलाकात मत्ती २:१-१२ | 10

यशायाह ने भविष्यवाणी की कि गैर-यहूदी (बीजती) राष्ट्र दुनिया के धन को मसीहाई राज्य के दौरान इज़राइल में लाएंगे: झुंड और ऊंट आपकी भूमि को कवर करेंगे, मिद्यान और एपा के युवा ऊंट। और शेबा के सब लोग आकर सोना और लोबान लिए हुए आएंगे, और यहोवा की स्तुति का प्रचार करेंगे (यशायाह ६०:६)। जब बिद्वान बेतलेहेम में शाही बच्चे की पूजा करने आए तो वे अपने साथ उपहार लाए। लेकिन मसीहा के दूसरे आगमन में कौन सा उपहार छूट गया है जिसे हम यशायाह के बचन में देखते हैं? लोहबान! वे लोहबान नहीं लाते क्योंकि यह मृत्यु की बात करता है। जब मसीह दोबारा आएंगे, तो उनकी मृत्यु के बारे में कुछ भी नहीं बोलेगा। सोना उसके राज्य की ओर संकेत करेगा, और गन्धरस उसके देवता की ओर संकेत करेगा। लेकिन कोई लोहबान नहीं होगा क्योंकि वह पहले ही दुनिया के पापों के लिए क्रूस पर मर चुका था। वह यहूदा के गोत्र के सिंह के रूप में, और राजाओं के राजा और प्रभुओं के यहोवा के रूप में सदा के लिए शासन करने और शासन करने के लिए आएगा (प्रकाशितवाक्य ५:५ और १९:१६)।

उसी रात, बिद्वान को एक सपने में चेतावनी दी गई थी कि वे मसीहा को खोजने की खबर के साथ हेरोदेस के पास वापस न जाएँ। परमेश्वर की चेताबनी के साधन के रूप में सपनों का उपयोग उत्पत्ति में किआ गया है २८:१२, ३१:११; गिनती १६:६; पहला राजा ३:५ और अय्यूब ३३:१४-१६; मत्ती १:२०-२३, २:१३, १९-२०, २२ उन्हें बताया नहीं गया कि क्यों; हालाँकि, हेरोदेस ने बच्चे को मार डाला होता अगर उन्हें किसी दूसरे रास्ते से अपने देश वापस जाने की चेतावनी नहीं दी जाती। पहले से ही इस मार्ग में हम एक मकसद देखते हैं जो पूरे सुसमाचार में होता है: यीशु मसीह की उपस्थिति निर्णय की मांग करती है और इसलिए उन लोगों के बीच विभाजन का कारण बनती है जो उसे स्वीकार करते हैं और जो उसे अस्वीकार करते हैं।

मत्ति के सुसमाचार में बिद्वान की भूमिका अब पूरी हो गई है और वे घर के लिए रवाना हो गए। लेकिन उनका घर का मार्ग, उनके आगमन से कम नहीं, अलौकिक रूप से परमेश्वर द्वारा निर्देशित है। सुबह वे शायद इस बात पर सहमत हुए कि, हालांकि हेरोदेस के यरूशलेम लौटने के निमंत्रण को अनदेखा करना गलत होगा, लेकिन इसे अनदेखा करना और भी बुरा होगा। एक सपने में एक परी की चेतावनी। तब उन्होंने अपने तम्बू और सामान बाँधा, और ऊँटों पर चढ़कर दूसरे मार्ग से अपने देश को लौट गए (मत्ती २:१२)। वे सिय्योन की पुत्री की ओर उत्तर की ओर गए (यिर्मयाह ६:२), मार सबा से होते हुए पूर्व की ओर, फिर उत्तर में यरीहो की ओर और वापस बाबुल की ओर गए। वे हेरोदेस की दृष्टि और अधिकार क्षेत्र से पूरी तरह बाहर रहेंगे।

पवित्रशास्त्र पूर्व से आए इन कृतज्ञ आगंतुकों के बारे में और कुछ नहीं बताता है। लेकिन जैसे वे धन्य थे, उन्होंने निश्चित रूप से अपने देश में मसीह के बारे में गवाही दी होगी। क्योंकि वे राजाओं के ज्योतिषी थे, यीशु का समाचार कदाचित पूर्व के दरबारों में प्रसिद्ध हो गया था जैसा कि एक दिन कैसर के महल में होगा (फिलिप्पियों १:१३ और ४:२२)।

Av – बिद्वान के मुलाकात मत्ती २:१-१२ | 11

यहोवा, अपने पुत्र को हमारे साथ रहने और हमारे लिए मरने के लिए भेजने के लिए धन्यवाद; यीशु, मेरे व्यक्तिगत उद्धारकर्ता होने के लिए धन्यवाद; पबोत्र आत्मा, सुसमाचार के अद्भुत सत्य के लिए मेरी आँखें खोलो। आपकी कृपा से मैं प्रतिदिन चकित रहूँ। क्या मैं आपकी शक्ति में चल सकता हूं। इमैनुएल के सुसमाचार को साझा करने के लिए मेरे पास साहस और खुशी हो सकती है, परमेश्वर हमारे साथ (यशायाह ७:१४)।